











# संपादकीय

## सिखों के लिए न्याय का उदय

वर्ष 2014 में, जब भाजपा सरकार नंदेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता में आयी, तीन दशकों से अधिक समय से दर्दनाक प्रतीक्षा के बाद न्याय की उमीद जगी। जानें ने रफतार पकड़ी, जिसके परिणामस्वरूप सज्जन कुमार को सज्जा सुनायी गयी, वही कांग्रेस सांसद जिन पर तकालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी युक्तदमा भी नहीं चलाना चाहते थे। मई 2019 में होशियारपुर में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सिख विरोधी दंगों को एक वैभवत्स नरसंहार कराया। सिख संगठन बड़े लंबे समय से नवबर 1984 की दिल्ली सिख विरोधी हिंसा को नरसंहार के रूप में पहचान दिलाना चाहते थे, जिसे पूर्ववर्ती सरकार द्वारा महज दर्दी बता कर दर्किनाम कर दिया जाता था। भीड़ को सिखों को मारने के लिए उक्तसामने हुए 2019 में दिल्ली हाइकोर्ट द्वारा सज्जन कुमार को सज्जा सुनाने तथा हाल ही में सीधीआइ द्वारा जगदीश टाइटलर के खिलाफ चार्जशीट पेस करना नवम्बर 1984 के पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण पल है। इन घटनाक्रमों को कांग्रेस के सत्तासीन होने के समय के साथ तुलना करके देखा जाना चाहिए। इसे वर्तमान मोदी सरकार द्वारा दोषियों को न्याय के तले लाने तथा लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को सुलझाने के तौर पर भी देखा जाना चाहिए, जो प्रत्येक सिख की भावनात्मक तारों को छूता है। दिलचस्प बात यह है कि जो आवाजें धर्मिक अल्पसंख्यकों के हितों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की

किसी भी संगठन ने अभी तक नवबर 1984 की सिख विरोधी हिंसा के आरोपियों को सज्जा दिलाने में इसकी व्यावसायिक तथा कुशलता के लिए सरकार की कार्रवाई की प्रशंसा नहीं की है।

सरकार के विरुद्ध उड़ी थीं, हमेसा चुनी जाएं जब भी मोदी सरकार सिखों के हितों की रक्षा करती। किसी भी संगठन ने अभी तक नवबर 1984 की सिख विरोधी हिंसा के आरोपियों को सज्जा दिलाने में इसकी व्यावसायिक तथा कुशलता के लिए सरकार की कार्रवाई की प्रशंसा नहीं की है। दुर्भाग्य से इस नैटिव को उन शक्तियों द्वारा हाईजैक कर दिया गया, जो नकात तथा नकारात्मकता पर फलती-फूलती है। ऐसा दिखायी देता है कि नंदेंद्र मोदी को गालियां देने तथा अनुचित तरीके से आतोचा करना कुछ लोगों के लिए एक धंधा बन गया है। इस उद्योग से उनकी रोजी-रोटी चल रही है। ऐसा दिखायी देता है कि कुछ लोगों के इस पार्वती व्यवहार से विचलित हुए बिना मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास के अपने रसें पर चलाना जारी रखेगा। विश्व भर में सिखों को मोदी सरकार से बहुत आशाएँ हैं कि इसने जो सुरु किया है, उसे समाप्त करेगी। बिना और देरी के दोषियों को कानून की ताकत का समाप्त करना चाहिए। नवबर 1984 में बचे लोगों को इसके समाप्त होने की प्रतीक्षा है, क्योंकि उनके प्रियजनों की दर्दनाक चीजें अभी भी उनके कानों में गूंजती हैं।

### अभिमत आजाद सिपाही

गारंटियों का उद्देश्य कल्याणकारी है। इसके तहत, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि (1) सहायता उस व्यक्ति को जाए जिसे सख्त जरूरत है (जो गरीब या बहुत गरीब है); (2) यह एक 'सीमित अवधि' के लिए दी जानी चाहिए, जिसके बाद उसे अपने दम पर खड़ा होना चाहिए और (3) योजना को इस तरह से वित्त पोषित किया जाना चाहिए कि यह बजटीय स्थिति को अस्थिर न करे।

गारंटियों का उद्देश्य कल्याणकारी है। इसके तहत, सरकार को वह सुनिश्चित करना चाहिए कि (1) सहायता उस व्यक्ति को जाए जिसे सख्त जरूरत है (जो गरीब या बहुत गरीब है); (2) यह एक 'सीमित अवधि' के लिए दी जानी चाहिए, जिसके बाद उसे अपने दम पर खड़ा होना चाहिए और (3) योजना को इस तरह से वित्त पोषित किया जाना चाहिए कि यह बजटीय स्थिति को अस्थिर न करे।

गुह ज्योति के तहत, कांग्रेस

राज्य के तहत, गांगेश राज्य ने घर एक घर के लिए एक महीने में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा करती है। यह योजना लंबे समय तक राज्य के खजाने पर 'अनावश्यक' बोझ डालेगी। यह बिजली वितरण कंपनियों के वित्त पर भी दबाव डालेगी।

गुह लक्ष्मी के तहत घर की हर महिला मुखिया को 2000 रुपये महीना मिलेंगे। घोषणा पत्र के

अनुसार, एक अरबपति

महिला भी पात्र है। इस तरह से पैसा बांटना दुर्लभ संसाधनों की सरासर बर्बादी है।

महिला सशक्तिकरण का विचार

ठीक है, लेकिन हमें संदर्भ नहीं

उत्तम गुमा

कर्नाटक में हाल ही में संपन्न

विधानसभा चुनावों में, सबसे पुरानी

पार्टी कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में

5 गारंटियों देने का वादा किया था-

गृह ज्योति के तहत, गांगेश राज्य ने घर एक घर के लिए एक महीने में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा करती है। यह योजना लंबे समय तक राज्य के खजाने पर 'अनावश्यक' बोझ डालेगी। यह बिजली वितरण कंपनियों के वित्त पर भी दबाव डालेगी।

गुह लक्ष्मी के तहत घर की हर महिला मुखिया को 2000 रुपये महीना मिलेंगे। घोषणा पत्र के

अनुसार, एक अरबपति

महिला भी पात्र है। इस तरह से पैसा बांटना दुर्लभ संसाधनों की सरासर बर्बादी है।

महिला सशक्तिकरण का विचार

ठीक है, लेकिन हमें संदर्भ नहीं

उत्तम गुमा

कर्नाटक में हाल ही में संपन्न

विधानसभा चुनावों में, सबसे पुरानी

पार्टी कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में

5 गारंटियों देने का वादा किया था-

गृह ज्योति के तहत, गांगेश राज्य ने घर एक घर के लिए एक महीने में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा करती है। यह योजना लंबे समय तक राज्य के खजाने पर 'अनावश्यक' बोझ डालेगी। यह बिजली वितरण कंपनियों के वित्त पर भी दबाव डालेगी।

गुह लक्ष्मी के तहत घर की हर महिला मुखिया को 2000 रुपये महीना मिलेंगे। घोषणा पत्र के

अनुसार, एक अरबपति

महिला भी पात्र है। इस तरह से पैसा बांटना दुर्लभ संसाधनों की सरासर बर्बादी है।

महिला सशक्तिकरण का विचार

ठीक है, लेकिन हमें संदर्भ नहीं

उत्तम गुमा

कर्नाटक में हाल ही में संपन्न

विधानसभा चुनावों में, सबसे पुरानी

पार्टी कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में

5 गारंटियों देने का वादा किया था-

गृह ज्योति के तहत, गांगेश राज्य ने घर एक घर के लिए एक महीने में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा करती है। यह योजना लंबे समय तक राज्य के खजाने पर 'अनावश्यक' बोझ डालेगी। यह बिजली वितरण कंपनियों के वित्त पर भी दबाव डालेगी।

गुह लक्ष्मी के तहत घर की हर महिला मुखिया को 2000 रुपये महीना मिलेंगे। घोषणा पत्र के

अनुसार, एक अरबपति

महिला भी पात्र है। इस तरह से पैसा बांटना दुर्लभ संसाधनों की सरासर बर्बादी है।

महिला सशक्तिकरण का विचार

ठीक है, लेकिन हमें संदर्भ नहीं

उत्तम गुमा

कर्नाटक में हाल ही में संपन्न

विधानसभा चुनावों में, सबसे पुरानी

पार्टी कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में

5 गारंटियों देने का वादा किया था-

गृह ज्योति के तहत, गांगेश राज्य ने घर एक घर के लिए एक महीने में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा करती है। यह योजना लंबे समय तक राज्य के खजाने पर 'अनावश्यक' बोझ डालेगी। यह बिजली वितरण कंपनियों के वित्त पर भी दबाव डालेगी।

गुह लक्ष्मी के तहत घर की हर महिला मुखिया को 2000 रुपये महीना मिलेंगे। घोषणा पत्र के

अनुसार, एक अरबपति

महिला भी पात्र है। इस तरह से पैसा बांटना दुर्लभ संसाधनों की सरासर बर्बादी है।

महिला सशक्तिकरण का विचार

ठीक है, लेकिन हमें संदर्भ नहीं

उत्तम गुमा

कर्नाटक में हाल ही में संपन्न

विधानसभा चुनावों में, सबसे पुरानी

पार्टी कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में

## महत्वपूर्ण न्यूज़

केतार के अंजनिया गांव में प्रेमिका अपने प्रेमी के घर के बाहर दे रही है धरना



केतार (आजाद सिपाही) थाना क्षेत्र के अंजनिया गांव में विनय सिंह, पिता नंदकेशर सिंह के दरवाजे पर शनिवार को शाम 4:00 बजे निशा कुमारी (काल्पनिक नाम) अपने कथित प्रेमी के घर पहुंच धरना पर बैठ गई है। जब लड़की अपने प्रेमी के घर पहुंची, तब प्रेमी घर पर नहीं थिला। लड़की बंशीधर नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। जानकारी के अनुसार चार दिन पूर्व वह लड़की विनय सिंह के घर पहुंची थी। जिसे विनय सिंह के परिजनों ने केतार पुलिस को सौंपा था। केतार पुलिस ने पूछताछ की, पर लड़की के द्वारा सही जानकारी नहीं देने के कारण लड़की को परिजनों को सौंप दिया। पुनः शनिवार को लड़की कथित प्रेमी के बाह्य आकर धरने पर बैठ गई है। लड़की कुछ सफासाफ नहीं बता पा रही है। कभी लड़की कहती है कि विनय सिंह के साथ छह माह पूर्व शादी के बधान में बंधी थी। लड़की के द्वारा काही साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया गया। वहीं लड़की के पिता नंदकेशर सिंह ने इस मामले में पूछे जाने पर बताया कि इस बारे में हम लोगों को कुछ पता नहीं है। मेरा पुत्र बाहर जाकर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है।

## पंडा नदी पुल के नीचे एक व्यक्ति का शव बरामद, गिरकर मृत्यु की आशंका

केतार (आजाद सिपाही)। रविवार की अहले सुबह लोहिया समता उच्च विद्यालय के समीप पंडा नदी के पुल के नीचे एक अद्यत व्यक्ति का शव देखे जाने की सूचना आग की तरह फैल गई। सुचना पुलिस ने ग्रामीणों के ग्रामीणों को ग्रामीणों को ग्रामीणों के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान भवानाथरू थाना क्षेत्र के ग्राम मकरी के बरावांचंद निवासी सुखेंद्र राम 50 वर्ष के रूप में की गई। घटनास्थल पर मृतक के परिवार की पहुंच चुके थे। परिजनों ने मृतक सुखेंद्र राम का पैर फिसल कर पुल से गिरकर मृत्यु हो जाने की आशंका जताई है।

## घर से आपाची मोटरसाइकिल की चोरी

डंडई (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के रारो गांव निवासी रामचंद्र यादव के दरवाजे पर खींची बाइक चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार ने वह दोस्त से मांग कर आपाची बाइक लाया था। गत सोमवार 22 अप्रैल को रारो के ही मुकेश कुमार यादव का आपाची बाइक लेकर बिनोद गुप्ता के बहाने में गया हुआ था। उधर से लौटने के बाद करीब 11 बजे अपने घर आकर घर के दरवाजे पास बाइक को लगा कर सो गया। तभी रात्रि में ही बाइक चोरी हो गई। उसने बताया कि जब सुबह उड़ा तो दरवाजे पर लगी बाइक गायब हो चुकी थी। काफी खोजबानी करने पर भी बाइक का पता नहीं चल पाया। अंत में बाइक की चोरी को लेकर डंडई थाना में स्थित शिकायत की गई है। मामले में थाना प्रधारी ने कहा कि बाइक चोरी की जानकारी मिली है। जांच पड़ाता की जा रही है।

## पड़हा व्यवस्था हमारी धरोहर है : रवीद नाथ भगत



बेडो

(आजाद सिपाही)

प्रखंड के कटरमाली स्कूल के मैदान के समीप शनिवार को 10 पड़हा के तत्वावधान में पड़हा समाज के लोगों की एक बैठक हुई। जिसमें आगामी तीन जून को होनेवाले वार्षिक पड़हा जतरा समारोह को बेडो बाजार टांड में परंपरागत ढंग से धूमधार संस्कृत मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में केंद्रीय पड़हा संचालन समिति बेडो के संरक्षक सह पूर्व कुलपति डॉ रवीन्द्र नाथ भगत ने कहा कि पड़हा व्यवस्था हमारी धरोहर है। उहोंने कहा कि बेडो बाजार टांड में आगामी तीन जून को होनेवाले वार्षिक पड़हा जतरा समारोह कार्यालय का रूपरूप दिया जाएगा। आदिवासी समाज कृषि प्रधान समाज है। कृषि उनकी जीविती का मुख्य आधार है। इस जतरा का आयोजन जेठे के महीने में होता है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों की एक बैठक हुई। जिसमें आगामी तीन जून को होनेवाले वार्षिक पड़हा जतरा समारोह कार्यालय का लोगों से उपर्युक्त व्यक्ति के बाहर आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख्य आधार है। जेठ की समाप्ति के बाद आपाचा बाल के आते ही अगले छह माह तक राजा कृषि में व्यस्त हो जाते हैं। इसके पहले जतरा समारोह ही उनका मोरजन, समाजिक- सास्कृतिक गतिविधियों व विवासन को अधिक्षण बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उहोंने पड़हा समाज के लोगों से एक जीविती का मुख

दो अलग-अलग मामलों में दुष्कर्म और देहत्यापार करवाने की शिकायत दर्ज जोगता/करतारास (आजाद सिपाही)। जोगता थाना में दो अलग-अलग मामलों में दुष्कर्म और देहत्यापार करवाने का मामला प्रकाश में आया है।

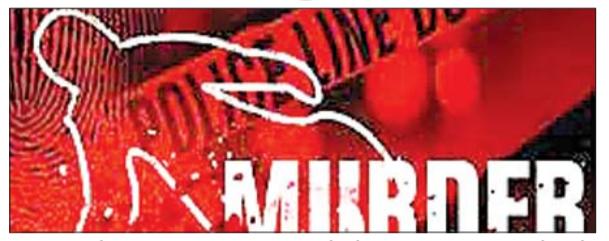
बताते चलें कि जोगता निवासी पीड़िता ने थाने में लिखित शिकायत देकर विकास सिंह, राहुल नानिया और बर आलम पर धोखे से विकास सिंह के घर बुलाकर दुष्कर्म करवाने का आरोप लगाया। वहाँ दूसरी ओर जोगता निवासी भूतभागी नावालिक किशोरी ने जोगता थाने में पपू सहाय, बबूल असारी और यादवी खातून के खिलाफ जबरन देहत्यापार करवाने का आरोप लगाया। वहाँ दूसरी ओर जोगता निवासी भूतभागी नावालिक किशोरी ने जोगता थाने में पपू सहाय, बबूल असारी और यादवी खातून के खिलाफ जबरन देहत्यापार करवायी है। आरोप लगाया कि 24 मई को आरोपितों ने उसे नौकरी दिलवाने के लिए रांगी ले जाया गया। वहाँ पहुंचने पर मुझे पता चला कि मुझे यौन त्यापार में धक्कल दिया गया है।

# बैंक से लौटने के क्रम में हत्यारों ने दिया घटना को अंजाम तमाड़ में टांगी से काटकर 70 साल के वृद्ध की हत्या

हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने शुरू की जांच, आरोपितों को जल्दी गिरफ्तार कर लेने का किया दावा

आजाद सिपाही संचादाता

तमाड़। थाना क्षेत्र के जाहरीटीकर गांव में 70 वर्षीय एक वृद्ध व्यक्ति की टांगी से काटकर हत्या कर दिया गया का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान दुर्गा चरण मुंडा के रूप में की गयी है।



जानकारी के मुताबिक दुर्गा चरण शनिवार की दोपहर दिवड़ी मर्दिन की टांगी से काटकर हत्या कर दिया गया का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान दुर्गा चरण मुंडा के रूप में की गयी है।

ही तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। खबर पाकर मौके पर पहुंची तमाड़ पुलिस ने दुर्गाचार कर अस्पताल ले गयी, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रांगी के रिम्स अस्पताल भेज दिया गया। इस बाबत पुलिस ने अजात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की दी है। पुलिस हत्या के कारणों और हत्यारों का पता लगाने में जुटी है।

## रैयत विस्थापित मोर्चा का बंद आज पूर्व संध्या पर निकाला मशाल जुलूस

आजाद सिपाही संचादाता

खलारी। रैयत विस्थापित मोर्चा की ओर से सोमवार को घोषित बंद को लेकर रविवार की शाम डकरा में मशाल जुलूस निकाल गया। मोर्चा के सदस्य अंबेडकर पार्क में एकत्र हुए। उसके बाद मशाल जलाकर जुलूस को शक्ति तक प्रवर्धन के खिलाफ नरवाजा करते हुए भ्रमण किया। मोर्चा नेताओं ने कहा कि प्रवर्धन के रैयत विस्थापितों की समस्या एवं प्रवर्धन के रवैये के खिलाफ 29 मई को एके परिया बंद करेगा। वहाँ, मोर्चा के परिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने कहा कि परके परिया में रैयत विस्थापित बंदी को सफल बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बंदी ऐतिहासिक होगी। वहाँ से भाग खड़े हुए। पुलिस हत्या के कारणों और हत्यारों का पता लगाने में जुटी है।



डकरा में निकाले गए मशाल जुलूस में शामिल बंद समर्थक।

देगा और खदान विस्तारीकरण के लिए सीसीएल प्रवर्धन को काफी परेशानी होगी। मोर्चा ने बंदी में सभी मजदूरों, विस्थापितों एवं श्रमिक संगठनों से सहयोग करने की अपील की गई। प्रवर्धन ने रैयत विस्थापित के साथ छल करने का काम किया है। इसलिए रैयत विस्थापित बंदी को सफल बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बंदी ऐतिहासिक होगी। वहाँ, मोर्चा के परिया अंबेडकर पार्क के खिलाफ एके परिया में रैयत विस्थापितों में काफी आक्रोश व्याप्त है। इस मोर्चे पर प्रवर्धन के रवैये के सभी रैयत विस्थापितों में जमीनी आक्रोश व्याप्त है। इस मोर्चे पर प्रवर्धन के रवैये का लिए उत्तरांग, जगन्नाथ महाते, जालिम सिंह, विनय खलखली, राम लखन गंडा, नरेश गंडा, प्रकाश महतो, सुनील सिंह, अनिल पासवान, सोनू पाडेय, शिवानाथ लोहरा, रामधारी गंडा, दिलेश्वर यादव, भुजेश्वर गंडा, शिवानाथ भोगता, सुनील यादव, भोगता यादव, रुबी यादव, रवि भोगता, अरुण यादव, कामश्वर गंडा, प्रेम गंडा, छोटन भोगता, फूलो देवी, स्किमाणी देवी, अमर, करन, विजय गंडा, छोटन भोगता, जगताल गंडा, गोविंद उत्तरांग, विजय गंडा, छोटन भोगता, फूलो देवी, स्किमाणी देवी, अमर, करन, विजय भुइयां अदि उपस्थित थे।

## विद्यालय में अतिरिक्त कमरा निर्माण का हुआ शिलान्यास



आजाद सिपाही संचादाता

सिल्ली। प्रखंड के हाकेदार उच्च विद्यालय परिसर में एक अतिरिक्त कमरा निर्माण कार्य का शिलान्यास रविवार को विद्यालय परिसर में एक अतिरिक्त कमरों की मांग की थी। क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यालय एवं मुखिया हरिपदों द्वारा पंचांग से अपना काम पिण्डा कर वापस घर लौट

## सिड्बोंग की स्तुति से भक्ति, श्रद्धा, प्रेम और भाईचारा बढ़ता है : धर्मगुरु बुधराम



खुट्टी (आजाद सिपाही)। तोरण के खजरादग मनमनी में रविवार को सरना धर्म सोतो: समिति का 10वा शाखा स्थापना दिवस सह सरना धर्म प्रार्थना सभा आयोजित किया गया। केंद्रुआ मुंडा, जयपाल मुंडा व टेपे कच्छप को अग्रवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल के ऊपर आया गया। इसके लिए टांगों से ताबड़ोड़ कर वार कर वहाँ से भाग खड़े हुए। स्थानीय के कामना की गयी। इस अवसर पर उड़ुकी के उद्देश्य से विद्यालय के ऊपर आया गया। इसके लिए टांगों से ताबड़ोड़ कर वार कर वहाँ से भाग खड़े हुए। स्थानीय के कामना की गयी। इस अवसर पर धर्मगुरु बुधराम से अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिड्बोंग की स्तुति के साथ-साथ मुख्य, जीव-जृतु व सारी सुधि का सम्मान करना ही सरना धर्म का मूल सिद्धांत है। इस अवसर पर सरना धर्म सोतो: समिति के सचिव विरसा के कंडेर ने कहा कि हमारे माधुरुपुरुषों ने अपने मूल धर्म को संरक्षित कर रखे हैं। अतः सरना कोड के लिए पूरी तरह से संकल्प लेकर डटकर संरक्ष करना चाहिए। इस कार्यक्रम में लुधू मुंडा, विसा तोपना, जेम्स सोय, अविनाश हेंबेप्रेम, सोमा हेंबराम, कोलत्य ओडेया, बंडी ओडेया, एतवा मुंडा, रोहित तानी, मंगरा मुंडा, सुम्पा मुंडा आदि ने अपने तोरण के लिए सम्मुद्र समाज के कामना की गयी। इसमें तोरण, तपकरा, कमडारा, खुट्टी, मुहर, बंदांग, गुमला, रांची आदि जगहों के बालों के लिए जारी कर रखे हैं। और इनके लिए जारी करने के लिए सरना धर्म कोड के लिए सुख, शांति और खुशहाली आती है। उन्होंने कहा कि भगवान के सामने सभी एक समान है, जिससे सबको कृपा मिलती है। हमें इसके लिए सदा धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए और समाज में प्रेम व माधुरुपुरुषों के साथ सरना स्थल के ऊपर आया गया। इसके लिए टांगों से ताबड़ोड़ कर वार कर वहाँ से भाग खड़े हुए। स्थानीय के कामना की गयी। इस अवसर पर धर्मगुरु बुधराम से अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिड्बोंग की स्तुति के साथ-साथ मुख्य, जीव-जृतु व सारी सुधि का सम्मान करना ही सरना धर्म का मूल सिद्धांत है। इस अवसर पर सरना धर्म सोतो: समिति के सचिव विरसा के कंडेर ने कहा कि हमारे माधुरुपुरुषों ने अपने मूल धर्म को संरक्षित कर रखे हैं। अतः सरना कोड के लिए पूरी तरह से संकल्प लेकर डटकर संरक्ष करना चाहिए। इस कार्यक्रम में लुधू मुंडा, विसा तोपना, जेम्स सोय, अविनाश हेंबेप्रेम, सोमा हेंबराम, कोलत्य ओडेया, बंडी ओडेया, एतवा मुंडा, रोहित तानी, मंगरा मुंडा, सुम्पा मुंडा आदि ने अपने तोरण के लिए सम्मुद्र समाज के कामना की गयी। इसमें तोरण, तपकरा, कमडारा, खुट्टी, मुहर, बंदांग, गुमला, रांची आदि जगहों के बालों के लिए जारी करने के लिए सरना धर्म कोड के लिए सुख, शांति और खुशहाली आती है। उन्होंने कहा कि भगवान के सामने सभी एक समान है, जिससे सबको कृपा मिलती है। हमें इसके लिए सदा धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए और समाज में प्रेम व माधुरुपुरुषों के साथ सरना स्थल के ऊपर आया गया। इसके लिए टांगों से ताबड़ोड़ कर वार कर वहाँ से भाग खड़े हुए। स्थानीय के कामना की गयी। इस अवसर पर धर्मगुरु बुधराम से अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिड्बोंग की स्तुति के साथ-साथ मुख्य, जीव-जृतु व सारी सुधि का सम्मान करना ही सरना धर्म का मूल सिद्धांत है। इस अवसर पर सरना धर्म सोतो: समिति के सचिव विरसा के कंडेर ने कहा कि हमारे माधुरुपुरुषों ने अपने मूल धर्म को संरक्षित कर रखे हैं। अतः सरना कोड के लिए पूरी तरह से संकल्प लेकर डटकर संरक्ष करना चाहिए। इस कार्यक्रम में लुधू मुंडा, विसा तोपना, जेम्स सोय, अविनाश हेंबेप्रेम, सोमा हेंबराम, कोलत्य ओडेया, बंडी ओडेया, एतवा मुंडा, रोहित तानी, मंगरा मुंडा, सुम्पा मुंडा आदि ने अपने तोरण के लिए सम्मुद्र समाज के कामना की गयी। इसमें तोरण, तपकरा, कमडारा, खुट्टी, मुहर, बंदांग, गुमला, रांची आदि जगहों के बालों के लिए जारी करने के लिए सरना धर्म कोड के लिए सुख, शांति और खुशहाली आती है। उन्होंने कहा कि भगवान के सामने सभी एक समान है, जिससे सबको कृपा मिलती है। हमें इसके लिए सदा धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए और समाज में प्रेम व माधुरुपुरुषों के साथ सरना स्थल के ऊपर आया गया। इसके लिए टांगों से ताबड़ोड़ कर वार कर वहाँ से भाग खड़े हुए। स्थानीय के कामना की गयी। इस अवसर पर धर्मगुरु बुधर



## समस्याओं का समाधान करना ही लक्ष्य : कमलेश सिंह



नया ट्रांसफार्मर लगाने के अवसर पर मोजूद गणमान्य लोग।

**मोहम्मदगंज विद्युत सब  
स्टेशन को मिला 5 एमवीए  
का ट्रांसफार्मर**

**आजाद सिपाही संवाददाता**

हैमैनाबाद। विधानसभा क्षेत्र के माहम्मदगंज प्रखण्ड क्षेत्र को विद्युतीय उत्पादन करने वाले मोहम्मदगंज विद्युत सब स्टेशन का ट्रांसफार्मर खाली हो जाने पर ग्रामीणों ने विधायक कमलेश सिंह को इतना जटिली तुलना में कामी परेशान थे। ग्रामीणों ने बताया कि विधायक कमलेश कुमार सिंह के कार्यकाल में बिजली के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। विधायक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक दिन

में मोहम्मदगंज विद्युत सब स्टेशन में 5 एमवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा दिया है। इस पर बीम सुधी अध्यक्ष जियाउद्दीन खान ने विधायक कमलेश सिंह की मेन पावर ट्रांसफार्मर भी आभार जताया है। ट्रांसफार्मर खाली होने से मोहम्मदगंज क्षेत्र के लोग इस गर्मी में कामी परेशान थे। ग्रामीणों ने बताया कि विधायक कमलेश कुमार सिंह के पास सब मुकिन है। सड़क, चिंचाई शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र लगातार कार्य किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने विधायक को धन्यवाद किया है।

## श्री चंडी महायज्ञ को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा

**पांच दिवसीय महायज्ञ के साथ  
नविनिर्मित ग्राम देवी मंदिर में  
मां देवी व भैरव बाबा की होगी  
प्रतिमा स्थापित**

**आजाद सिपाही संवाददाता**

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर प्रखण्ड के सेमरी गांव में हो रहे श्री चंडी महायज्ञ को ले रविवार को विशाल जलयात्रा निकाली गई। इसमें सेमरी सहित आस-पास के दर्जनों गांवों के श्रद्धालु शामिल हुए। ग्राम देवियों ने यज्ञ और ग्राम देवी व भैरव का श्रद्धा के आराध्य देव की अप्रण करते हुए ऐतिहासिक शिव पोखर स्थित सती दाढ़ी स्टॉप पहुंचे। जहां वैदिक मत्रोंचारणों के बीच कलश में जल



भरा गया। इसके बाद कलश को सिर पर रखकर श्रद्धालु वापस वज्रस्थल पर आराध्य जी भवाराज के त्वचाधान में पहुंचे, जहां पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ कलश को स्थापित करा दिया गया। सोमवार को यज्ञाशाला परिसर में वैदिक मंत्रोच्चारण व पूजन यात्रा की साथ अनिं मंथन होगा। दो जून को पूर्णाहुति व भंडरे के साथ यज्ञ संपन्न होगा। विदित हो कि यज्ञ का आयोजन गांव में

महायज्ञ स्वामी उदय नारायण आराध्य जी भवाराज के त्वचाधान में संपन्न होगा। सोमवार को यज्ञाशाला परिसर में वैदिक मंत्रोच्चारण व पूजन यात्रा की साथ अनिं मंथन होगा। दो जून को पूर्णाहुति व भंडरे के साथ यज्ञ संपन्न होगा। विदित हो कि यज्ञ का आयोजन गांव में

भक्तिमय हो गया। यह पांच दिवसीय

संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार  
मानसिक दिवालियेपन का प्रतीक : धर्मदेव

**आजाद सिपाही संवाददाता**

विश्रामपुर/पलामू। वरीय भाजपा नेता धर्मदेव सिंह यादव ने कहा कि आजदी के अमृत काल में प्रधानमंत्री नंदें मोदी के सफल नेतृत्व में एक रिकॉर्ड समय में अत्यधिक श्रद्धालुओं से सुप्रियोग संसद भवन रविवार को देश को समर्पित हुआ। वह भवन आगमी 100 वर्षों के विजन व भविष्य को ध्यान रखकर बनवाया गया है। इस ऐतिहासिक और गौराशाली लोकतंत्र के नए मंदिर संसद भवन का निर्माण होने से सभी भारतवासी गौरव का अनुभव कर रहे हैं। नए संसद भवन के उद्घाटन के इस ऐतिहासिक अवसर पर कुछ विरोधी दलों की



भाजपा नेता धर्मदेव सिंह यादव।

राष्ट्रपति द्वापदी मुर्मु के समान को लेकर प्रश्न उठाने वाले नेता पहली बार किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति उमीदवार बना जाने पर विरोध किया था। वही नहीं, सभी ने मिलकर संयुक्त रूप से अपना उमीदवार उत्तरा और चुनाव होने पर राष्ट्रपति के बारे में अपसंबद्ध कहकर अप्राप्तिकरने के बारे में विरोध चुनाव कर समान को बढ़ाना चाहए था। कहा कि विरोधी दलों का यह विरोध भारतीय लोकतंत्र को कमज़ोर करना है।

ओर से बहिष्कार करने का निर्णय उनके मानसिक दिवालियेपन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भारतीय स्टार शटलर एचएस प्रणय ने जीता गोल्ड, चीन के हॉगयांग को हराया

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भारतीय स्टार शटलर एचएस प्रणय ने जीता गोल्ड, चीन के हॉगयांग को हराया

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास : मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले बने पहले भारतीय

भ्राता इतिहास :



# उज्जैन के महाकाल लोक में आंधी से सप्तऋषियों की ४५ मृतियां टूटी

राजस्थान में आंधी से मोबाइल टावर गिरा, दुंगरपुर में एक की मौत

आजाद सिपाही संचाददाता

नवी दिल्ली। मध्यप्रदेश के उज्जैन में रविवार को तेज आंधी के कारण महाकाल लोक की मृतियां गिर गयी। सप्तऋषियों की ६ मृतियां गिर कर खंडित हुईं। १० से २५ फीट ऊंची चै मृतियां लाल पथर और फाफबर रेनफोर्स प्लास्टिक से बनी हैं। इस पर गुजरात की एपी बाबरिया कर्म से जुड़े गुजरात, ओडिशा और राजस्थान के कलाकारों ने कारीबी की है। उज्जैन में ही श्री सांदीपनी आत्रम के सामने आंधी से पेढ़ उछड़कर गिर पड़ा। हादसे में कई श्रद्धालु बाल-बाल बचे। बता दें कि प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी ने ११ अक्टूबर २०२२ को उज्जैन में रविवार देर रात २ बजे, फिर रविवार सुबह बारिश हुई। जैसमेंर के रामदेवरा में दोपर १ बजे तेज बारिश के साथ आंधी गिरे। नागर में तेज आंधी से मोबाइल टावर गिर गया। आंधी के कारण पुकर की साक्रिया मात्रा हुए हैं। इसके दूसरे फेज का काम अभी शुरू नहीं हुआ है।



**मध्यप्रदेश के कई जिलों में आंधी-बारिश**

मध्यप्रदेश में रविवार से एक और वेटरन डिस्ट्रॉइंस एक्टिव हो गया है। इससे भोपाल, ग्वालियर समेत प्रदेश में बारिश होगी। भोपाल के रविवार को बादल छाये रहे। सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना,

मंदिर के रोपेवे पर लग फंसे हुए हैं। वहाँ, दूसरे भी मकान गिरने से एक की मौत हो गयी।

**आंध प्रदेश में तेज आंधी और बारिश**

आंध प्रदेश में रविवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इससे राजमहांग्रेड्रेवर के बाहरी इलाके के वेमिटरी में तेलुगू देशम पार्टी के महानंद कार्यक्रम में बाधा डाली।

लोगों को बचने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा।

**अगले 24 घंटों में पूर्वी राज्यों में होणी बारिश**

आइमटी ने पूर्वोत्तर भारत में बारिश की ओर जारी लगातार समीक्षा के कारण संभव हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आयेगी।

**भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन परियोजना के निर्माण कार्य का ५० प्रतिशत पूरा**

हरिदासपुर-बैरी सेवान, १६.८० किमी की दूरी लक्ष्य अवधि (जून २०२३) से पहले पूरी की गयी।

आजाद सिपाही संचाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व टट रेलवे के खुदा रोड डिवीजन के तहत भद्रक और कटक रेलवे स्टेशनों के बीच हावड़ा-चेन्नई मेन लाइन में भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन परियोजना का निर्माण कार्य जोरां पर चल रहा है। इस परियोजना का ५० प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

हरिदासपुर और बैरी के बीच १६.८० किलोमीटर का एक पैच जिसे जून २०२३ के अंतिम सप्ताह कार्य के रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास का प्राथमिकता दे रहे हैं और विकास कार्यों की नियमित नियरानी भी कर रहे हैं। भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का हिस्सा अप्रैल २०१६ में पूरा हुआ, कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.३० किलोमीटर का हिस्सा मई २०१९ को चालू किया गया और कपिलास रोड से निर्गुंडी तक ४.२० किलोमीटर की दूरी चरक्टूबर २०२२ को शुरू की गई चरणबद्ध तरीके से। शेष ३६.६९ किलोमीटर का कार्य के लिए भद्रक-निर्गुंडी तीसरी लाइन के कार्य को २०२३-२४ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत १२४.३९ किलोमीटर का